MP में 16 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट, 104 करोड़ की सड़क बही!

विषय सूची (Table of Contents):

>> 1. मध्य प्रदेश में मानसून का रौद्र रूप 16 जिलों में भारी बारिश का रेड और येलो अ...
>> मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी सूची (Alert List 2026)...
>> 2. मौसम का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव सिवनी-बालाघाट में 8 इंच बारिश की चेतावनी, सा...
>> सागर और रीवा संभाग में लगातार तेज वर्षा का प्रभाव...
>> 3. सीधी में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 104 करोड़ की सड़क 6 महीने में ही बहा नवनिर्...
>> निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल...
>> 4. पन्ना की उफनती शहपुरा नदी में बहा डंपर जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहा था...
>> चालक ने तैरकर बचाई जान, रेस्क्यू ऑपरेशन...
>> 5. सतना में नाले के तेज बहाव में बहे बाइक सवार 3 लोग 2 सुरक्षित, 1 लापता व्यक्त...
>> लापता व्यक्ति की तलाश में सर्च अभियान...
>> 6. रीवा सहित पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी जलभराव उफान पर नदी-नाले, जनजीवन पूरी त...
>> व्यापार और खेती पर सीधा असर...
>> 7. एसडीआरएफ (SDRF) और पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी प्रशासन ने उफनते नदी-नाले प...
>> नागरिकों के लिए आपदा सुरक्षा एडवाइजरी...
>> निष्कर्ष सतर्कता और राहत कार्यों पर जोर...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

MP Weather Latest Update 2026:मध्य प्रदेश में मानसून का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से सक्रिय हुए लो प्रेशर एरिया, मानसून ट्रफ और चक्रवाती हवाओं के संगम से राज्य भर में भारी तबाही देखने को मिल रही है। पूर्वी मध्य प्रदेश में पिछले 48 घंटों से मूसलाधार बारिश का दौर जारी है, जिससे प्रमुख नदियां, पुल और नाले उफान पर आ गए हैं।

प्राकृतिक आपदा के साथ-साथ बुनियादी ढांचे की बदहाली भी सामने आ रही है। सीधी में जहां 104 करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क पानी में बह गई, वहीं सतना और पन्ना जिलों में जान जोखिम में डालने के कारण बड़े हादसे हुए हैं। प्रशासन ने 16 संवेदनशील जिलों के लिए हाई अलर्ट घोषित किया है और बचाव दल को अलर्ट मोड पर रखा है।

1. मध्य प्रदेश में मानसून का रौद्र रूप: 16 जिलों में भारी बा

मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, मध्य प्रदेश के करीब 16 जिलों में अत्यधिक भारी और भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मानसूनी तंत्र के बेहद मजबूत होने के चलते कई संभागों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं।

मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी सूची (Alert List 2026)

>> अति भारी बारिश वाले जिले:सिवनी, बालाघाट, सीधी, रीवा, सतना, पन्ना, शहडोल और अनूपपुर।

>> भारी बारिश की संभावना:सागर, दमोह, छतरपुर, डिंडोरी, जबलपुर, उमरिया, कटनी और मंडला।

>> वायुमंडलीय दबाव:दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र (Low Pressure Area) सक्रिय है।

मौसम वैज्ञानिकों ने आम जनता को आकाशीय बिजली चमकने और जलभराव वाले निचले क्षेत्रों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। संबंधित जिला कलेक्टरों को स्थिति की 24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग और कंट्रोल रूम सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह भी पढ़ें: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर हमारी विशेष रिपोर्ट पढ़ें -चीन पर भारत का कड़ा प्रहार: J K और लद्दाख पर MEA की दोटूक

2. मौसम का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव: सिवनी-बालाघाट में 8 इंच

मध्य प्रदेश में मानसून ट्रफ लाइन मध्य भाग से गुजर रही है, जिसके असर से सिवनी और बालाघाट में 8 इंच (200 मिमी से अधिक) तक मूसलाधार बारिश होने का खतरा मंडरा रहा है। सतना जिले के नागौद में बीते 24 घंटों में 6.4 इंच रिकॉर्ड तोड़ बारिश दर्ज की गई है।

सागर और रीवा संभाग में लगातार तेज वर्षा का प्रभाव

सागर संभाग के जिलों में लगातार हो रही झमाझम बारिश के कारण बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कई जलप्रपातों और निचले पुलों पर पानी का तेज बहाव देखा जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिस्टम अगले 48 से 72 घंटों तक सक्रिय रह सकता है, जिससे फसलों और कच्चे मकानों को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है।

3. सीधी में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 104 करोड़ की सड़क: 6 मही

सीधी जिले के रामपुर नैकिन जनपद क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां भारी बारिश के तेज बहाव में खैरा-डठिौरा नवनिर्मित मुख्य मार्ग का एक बड़ा हिस्सा कटकर नदी-नालों में समा गया। इस घटना के बाद से क्षेत्र का संपूर्ण आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है।

निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

स्थानीय ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण महज 6 महीने पहले ही पूरा हुआ था और इस पूरे प्रोजेक्ट पर लगभग104 करोड़ रुपयेकी भारी भरकम राशि खर्च की गई थी। पहली ही बड़ी बारिश में सड़क का आधार ढह जाने से निर्माण एजेंसी और संबंधित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली कटघरे में खड़ी हो गई है। प्रशासन ने तत्काल मार्ग बहाली के लिए टीम रवाना की है।

यह भी पढ़ें: खेल जगत की अहम खबरें जानें -सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम से बाहर किया गया!

4. पन्ना की उफनती शहपुरा नदी में बहा डंपर: जान जोखिम में डाल

पन्ना जिले के धरमपुर थाना अंतर्गत एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। कालिंजर से अजयगढ़ की ओर आ रहा एक भारी डंपर शहपुरा नदी के पुल पर बने तेज बहाव में बह गया। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर था, फिर भी वाहन चालक ने डंपर को उफनते पानी के बीच से निकालने की लापरवाही की।

चालक ने तैरकर बचाई जान, रेस्क्यू ऑपरेशन

पानी के प्रचंड वेग से डंपर अनियंत्रित होकर गहरे पानी में पलट गया। गनीमत रही कि चालक सनी उर्फ रोहित सिंह ने तत्परता दिखाई और खिड़की से कूदकर तैरते हुए सुरक्षित किनारे तक पहुंच गया। सूचना मिलते ही धरमपुर पुलिस और एसडीईआरएफ (SDERF) की टीम मौके पर पहुंची और देर रात तक बचाव अभियान चलाया गया।

5. सतना में नाले के तेज बहाव में बहे बाइक सवार 3 लोग: 2 सुरक

सतना जिले के नागौद थाना क्षेत्र स्थित ललचहा-इटमा नाले में शुक्रवार देर रात दिल दहला देने वाली घटना घटी। बाइक पर सवार होकर तीन युवक उफनते नाले को पार करने का प्रयास कर रहे थे, तभी पानी के तेज थपेड़े में बाइक समेत तीनों पानी में बह गए।

लापता व्यक्ति की तलाश में सर्च अभियान

>> सुरक्षित निकले युवक:बालेंद्र सिंह और दीपू पांडेय ने तैरकर अपनी जान बचा ली।

>> लापता व्यक्ति तीसरा साथी तेज धारा में बह गया, जिसका अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

>> ताजा स्टेटस: पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने गोताखोरों की मदद से नाले से बाइक को निकाल कर लिया है, लेकिन लापता व्यक्ति की खोजबीन लगातार जारी है।

6. रीवा सहित पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी जलभराव: उफान पर नदी

रीवा जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में जलभराव की स्थिति विकराल हो गई है। बस्तियों, सड़कों और सरकारी दफ्तरों के परिसरों में घुटनों तक पानी भर गया है। जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कई मार्गों पर वाहनों के पहिए थम गए हैं।

व्यापार और खेती पर सीधा असर

मूसलाधार बारिश और बाढ़ की वजह से खरीफ की फसलों में पानी भर गया है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। रीवा, सतना, सीधी और सिंगरौली को जोड़ने वाले कई छोटे मार्ग रपटों पर पानी चढ़ने के कारण बंद कर दिए गए हैं। बिजली आपूर्ति भी कई घंटों से बाधित है।

यह भी पढ़ें: अंतरराष्ट्रीय वर्क वीजा नियमों में बदलाव -H-1B वीजा पर बड़ा एक्शन: कॉग्निजेंट समेत कई कंपनियों पर लटकी तलवार!

7. एसडीआरएफ (SDRF) और पुलिस का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी: प्रशासन

प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) और स्थानीय पुलिस प्रशासन ने राहत व बचाव कार्यों की कमान संभाल ली है। संवेदनशील तटीय गांवों और उफनते पुलों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि लोग जान जोखिम में डालकर रपटे पार न करें।

नागरिकों के लिए आपदा सुरक्षा एडवाइजरी

>> उफनती नदियों, पुल-पुलियों और नालों के ऊपर से पानी बहने की स्थिति में वाहन निकालने का प्रयास बिल्कुल न करें।

>> बारिश के दौरान पुराने, जर्जर भवनों और ऊंचे पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें।

>> आपातकालीन स्थिति में स्थानीय कंट्रोल रूम और 112 1079 हेल्पलाइन नंबर पर तत्काल सूचना दें।

>> आपदा प्रबंधन की आधिकारिक एडवाइजरी और मौसम अपडेट (Weather Live Status) की जांच करते रहें।

निष्कर्ष: सतर्कता और राहत कार्यों पर जोर

मध्य प्रदेश में मानसून के वर्तमान स्ट्रॉन्ग सिस्टम ने बुनियादी विकास की खामियों और प्रशासनिक तैयारियों दोनों की परीक्षा ली है। 104 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क का ढहना निर्माण गुणवत्ता में व्यापक सुधार की मांग करता है। आने वाले कुछ दिन पूर्वी और मध्य एमपी के निवासियों के लिए बेहद सतर्क रहने वाले हैं। प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा नियमों का पालन करके ही बड़े हादसों से बचा जा सकता है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

मौसम विभाग ने सिवनी, बालाघाट, सीधी, रीवा, सतना, पन्ना, शहडोल, अनूपपुर, सागर, दमोह, छतरपुर, डिंडोरी, जबलपुर, उमरिया, कटनी और मंडला सहित कुल 16 जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सीधी जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र में लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से 6 महीने पहले बनी खैरा-डिठौरा मार्ग की सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश के पानी में कटकर बह गया, जिससे आवागमन पूरी तरह बंद हो गया।

पन्ना के धरमपुर क्षेत्र में शहपुरा नदी के उफनते पुल पर पानी का तेज बहाव होने के बावजूद चालक ने वाहन निकालने का जोखिम उठाया, जिससे डंपर अनियंत्रित होकर बह गया। चालक ने तैरकर अपनी जान बचाई।

नागौद के ललचहा-इटमा नाले में बाइक समेत 3 लोग तेज बहाव में बह गए। इनमें से दो युवक सुरक्षित तैरकर बाहर निकल आए, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है और एसडीआरएफ उसकी तलाश कर रही है।

राज्य में मानसून ट्रफ लाइन, चक्रवाती परिसंचरण (Cyclonic Circulation) और बंगाल की खाड़ी का कम दबाव वाला क्षेत्र (Low Pressure Area) मिलकर एक बेहद मजबूत मानसूनी सिस्टम बना रहे हैं।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि उफान पर चल रहे पुल-पुलियों और रपटों को पार करने की भूल न करें, जर्जर मकानों से दूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें।